.. shukra aShTottarashatanAmAvaliH ..

॥ शुक्र अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

शुक्र बीज मन्त्र -
ॐ द्राँ द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥

ॐ शुक्राय नमः ॥
ॐ शुचये नमः ॥
ॐ शुभगुणाय नमः ॥
ॐ शुभदाय नमः ॥
ॐ शुभलक्षणाय नमः ॥
ॐ शोभनाक्षाय नमः ॥
ॐ शुभ्रवाहाय नमः ॥
ॐ शुद्धस्फटिकभास्वराय नमः ॥
ॐ दीनार्तिहरकाय नमः ॥
ॐ दैत्यगुरवे नमः ॥ १०
ॐ देवाभिवन्दिताय नमः ॥
ॐ काव्यासक्ताय नमः ॥
ॐ कामपालाय नमः ॥
ॐ कवये नमः ॥
ॐ कल्याणदायकाय नमः ॥
ॐ भद्रमूर्तये नमः ॥
ॐ भद्रगुणाय नमः ॥
ॐ भार्गवाय नमः ॥
ॐ भक्तपालनाय नमः ॥
ॐ भोगदाय नमः ॥ २०
ॐ भुवनाध्यक्षाय नमः ॥
ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदाय नमः ॥
ॐ चारुशीलाय नमः ॥
ॐ चारुरूपाय नमः ॥
ॐ चारुचन्द्रनिभाननाय नमः ॥
ॐ निधये नमः ॥
ॐ निखिलशास्त्रज्ञाय नमः ॥
ॐ नीतिविद्याधुरंधराय नमः ॥
ॐ सर्वलक्षणसंपन्नाय नमः ॥
ॐ सर्वापद्गुणवर्जिताय नमः ॥ ३०
ॐ समानाधिकनिर्मुक्ताय नमः ॥
ॐ सकलागमपारगाय नमः ॥
ॐ भृगवे नमः ॥
ॐ भोगकराय नमः ॥
ॐ भूमिसुरपालनतत्पराय नमः ॥
ॐ मनस्विने नमः ॥
ॐ मानदाय नमः ॥
ॐ मान्याय नमः ॥
ॐ मायातीताय नमः ॥
ॐ महायशसे नमः ॥ ४०
ॐ बलिप्रसन्नाय नमः ॥
ॐ अभयदाय नमः ॥
ॐ बलिने नमः ॥
ॐ सत्यपराक्रमाय नमः ॥
ॐ भवपाशपरित्यागाय नमः ॥
ॐ बलिबन्धविमोचकाय नमः ॥
ॐ घनाशयाय नमः ॥
ॐ घनाध्यक्षाय नमः ॥
ॐ कम्बुग्रीवाय नमः ॥
ॐ कलाधराय नमः ॥ ५०
ॐ कारुण्यरससंपूर्णाय नमः ॥
ॐ कल्याणगुणवर्धनाय नमः ॥
ॐ श्वेताम्बराय नमः ॥
ॐ श्वेतवपुषे नमः ॥
ॐ चतुर्भुजसमन्विताय नमः ॥
ॐ अक्षमालाधराय नमः ॥
ॐ अचिन्त्याय नमः ॥
ॐ अक्षीणगुणभासुराय नमः ॥
ॐ नक्षत्रगणसंचाराय नमः ॥
ॐ नयदाय नमः ॥ ६०
ॐ नीतिमार्गदाय नमः ॥
ॐ वर्षप्रदाय नमः ॥
ॐ हृषीकेशाय नमः ॥
ॐ क्लेशनाशकराय नमः ॥
ॐ कवये नमः ॥
ॐ चिन्तितार्थप्रदाय नमः ॥
ॐ शान्तमतये नमः ॥
ॐ चित्तसमाधिकृते नमः ॥
ॐ आधिव्याधिहराय नमः ॥
ॐ भूरिविक्रमाय नमः ॥ ७०
ॐ पुण्यदायकाय नमः ॥
ॐ पुराणपुरुषाय नमः ॥

ॐ पूज्याय नमः ॥
ॐ पुरुहूतादिसन्नुताय नमः ॥
ॐ अजेयाय नमः ॥
ॐ विजितारातये नमः ॥
ॐ विविधाभरणोज्ज्वलाय नमः ॥
ॐ कुन्दपुष्पप्रतीकाशाय नमः ॥
ॐ मन्दहासाय नमः ॥
ॐ महामतये नमः ॥ ८०
ॐ मुक्ताफलसमानाभाय नमः ॥
ॐ मुक्तिदाय नमः ॥
ॐ मुनिसन्नुताय नमः ॥
ॐ रत्नसिंहासनारूढाय नमः ॥
ॐ रथस्थाय नमः ॥
ॐ रजतप्रभाय नमः ॥
ॐ सूर्यप्राग्देशसंचाराय नमः ॥
ॐ सुरशत्रुसुहृदे नमः ॥
ॐ कवये नमः ॥
ॐ तुलावृषभराशीशाय नमः ॥ ९०
ॐ दुर्धराय नमः ॥
ॐ धर्मपालकाय नमः ॥
ॐ भाग्यदाय नमः ॥
ॐ भव्यचारित्राय नमः ॥
ॐ भवपाशविमोचकाय नमः ॥
ॐ गौडदेशेश्वराय नमः ॥
ॐ गोप्त्रे नमः ॥
ॐ गुणिने नमः ॥
ॐ गुणविभूषणाय नमः ॥
ॐ ज्येष्ठानक्षत्रसंभूताय नमः ॥ १००
ॐ ज्येष्ठाय नमः ॥
ॐ श्रेष्ठाय नमः ॥
ॐ शुचिस्मिताय नमः ॥
ॐ अपवर्गप्रदाय नमः ॥
ॐ अनन्ताय नमः ॥
ॐ सन्तानफलदायकाय नमः ॥
ॐ सर्वैश्वर्यप्रदाय नमः ॥
ॐ सर्वगीर्वाणगणसन्नुताय नमः ॥
॥ इति शुक्र अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णम् ॥

Propitiation of Venus (Friday)
CHARITY: Donate silk clothes, dairy cream, yogurt, scented oils, sugar, cow dung, or camphor to a poor young woman on Friday evening.
FASTING: On Friday, especially during Venus transits and major or minor Venus periods.
MANTRA: To be chanted on Friday at sunrise, especially during major or minor Venus periods:
RESULT: The planetary diety Shukra is propitiated increasing riches and conjugal bliss.

Transliteration and information by
Dr. S. Kalyanaraman kalyan97@yahoo.com
Proofread by Detlef Eichler DetlefEichler(@at)gmx.net
More information http://members.tripod.com/ navagraha

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated June 16, 2007